IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 5, June 2023

सुषमा मुनीन्द्र जी के कथा–साहित्य में भाषा एवं शिल्प

श्वेता पाण्डेय
शोधार्थी, शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, (म.प्र.)
डॉ. अमित शुक्ला
प्राध्यापक (हिन्दी), शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांशः सुषमा जी का भाषा पर सम्पूर्ण अधिकार है। आपने अपनी शैली को सहज सरल बनाने के लिए वातावरण एवं पात्रों के अनुकूल भाषा का प्रयोग किया है। आपकी रचनाओं में हमें प्रौढ़ता का आभास होता है। आपने अंलकारों का भी बखूबी चित्रण किया है। आपकी कहानियों एवं उपन्यास की भाषा जन भाषा होने के कारण पाठकों को भाव–विभोर एवं अभिभूत कर देती है। साधारण लगने वाले विषय भी आपकी भाषा एवं शैली से विचारणीय लगते हैं।

मुख्य शब्दः सुषमा, मुनीन्द्र, कथा–साहित्य, भाषा, शिल्प आदि।

संदर्भ स्रोत :–

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ, भाषा विज्ञान, सरोजनी नायडू मार्ग इलाहाबाद/2002, प्रकाशक किताब महल, 22–ए
2. जोशी, डॉ. हेमचन्द, मैक्समूलर–भाषा विज्ञान पर व्याख्यान, पृ. 18
3. कामता प्रसाद गुरु, हिन्दी व्याकरण
4. अग्रवाल, डॉ. सरयू प्रसाद, भाषा विज्ञान और हिन्दी, पृ. 10
5. सक्सेना, डॉ. द्वरिका प्रसाद, सामान्य भाषा विज्ञान, पृ. 06
6. दास, डॉ. श्यामसुंदर, भाषा विज्ञान, पृ. 20
7. मुनीन्द्र, सुषमा, अपना ख्याल रखना, ग्रन्थकेतन, प्रथम संस्करण 2012, पृ. 175
8. मुनीन्द्र, सुषमा, जसोदा एक्सप्रेस, ज्योति पर्व प्रकाशन, प्रथम संस्करण 2015, पृ. 51
9. मुनीन्द्र, सुषमा, छोटी सी आशा (नुक्कड़ नाटक), युगबोध प्रकाशन रायपुर, 2000, पृ. 15
10. मुनीन्द्र सुषमा, कहानी संग्रह मृत्युगंध (2012), ग्रंथलोक प्रकाशन,, पृ. 50
11. मुनीन्द्र, सुषमा, अपना ख्याल रखना, ग्रन्थकेतन, प्रथम संस्करण 2012, पृ. 68
12. मुनीन्द्र, सुषमा, प्रेम संबंधों की कहानियाँ, नमन प्रकाशन, संस्करण 2017, पृ. 186,190 और 193